

## राम नाम रस पीजै मनुवा

राम नाम रस पीजै मनुवा,  
राम नाम रस पीजै

तजि कुसंग सतसंग बैठि नित,  
हरि-चर्चा सुनि लीजै ।

काम क्रोध मद मोह लोभ को ,  
बहा चित से दीजै ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,  
ताही के रंग में भीजै ।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14474/title/ram-nam-ras-peeje-manuva>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |